देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 25.02.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड पुलिस, चारधाम यात्रा 2025 के दौरान विकसित अभिनव ट्रैफिक और कंट्रोल रूम प्रबंधन प्रणाली के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड के लिये चयनित।
- मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने प्रदेश में 30 और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालयों को प्रभावी रूप से संचालित करने और उनकी सेवाओं की गुणवत्ता तथा पहुंच बढ़ाने के निर्देश दिए।
- अल्मोड़ा के चौबट्टिया में भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ–डिफेंस फोर्स के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्मा गार्डियन' शुरू।
- उत्तराखण्ड में भवन निर्माण नियमों में व्यापक संशोधन किया जाएगा।

स्कॉच अवार्ड

उत्तराखंड पुलिस को चारधाम यात्रा 2025 के दौरान विकसित अभिनव ट्रैफिक और कंट्रोल रूम प्रबंधन प्रणाली के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड के लिये चयनित किया गया है। यह सम्मान पुलिस अधीक्षक यातायात देहरादून लोकजीत सिंह के नेतृत्व में तैयार किए गए "चारधाम यात्रा 2025 : निर्बाध तीर्थ प्रबंधन हेतु अभिनव कंट्रोल रूम समाधान" को 28 मार्च को नई दिल्ली में 106वें स्कॉच महोत्सव में प्रदान किया जाएगा।

चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025 में ट्रैफिक पुलिस ने उन्नत कंट्रोल रूम सिस्टम, वास्तविक समय निगरानी, डिजिटल समन्वय, इंटेलिजेंट रूट डायवर्जन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ किया। इसके परिणामस्वरूप यातायात जाम में कमी आई और तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की गई।

आयुष

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने प्रदेश में 30 और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालयों को प्रभावी रूप से संचालित करने और उनकी सेवाओं की गुणवत्ता तथा पहुंच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एलोपैथी और आयुर्वेद विभाग को समन्वय के साथ कार्य करते हुए राज्य में आयुष चिकित्सा को मॉडल चिकित्सा के रूप में विकसित करने पर जोर दिया हैं।

देहरादून में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आयुष मिशन उत्तराखंड की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आयुष सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार पर चर्चा हुई।

बैठक में आयुष ओपीडी की समग्र समीक्षा, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभावी क्रियान्वयन और पीपीपी मोड पर संचालित आयुष चिकित्सालयों के कार्यों की जांच के निर्देश दिए गए। साथ ही निजी साझेदारों के साथ हुए एमओयू की समीक्षा कर समन्वय बढ़ाने को भी कहा गया।

बैठक में आयुष विभाग न राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत भारत सरकार से 52 करोड़ रुपये की मांग का प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे मुख्य सचिव ने अनुमोदित किया। प्रस्ताव के अनुसार 13 ज़िलों में 13 सुप्रजा केंद्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित किए जाएंगे, जहां पंचकर्म सुविधाएं और विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। प्रस्ताव शीघ्र ही भारत सरकार को भेजा जाएगा।

सामान्य महासभा बैठक

मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में देहरादून में उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की सामान्य महासभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़े विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और उद्यमियों ने भौतिक और वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

इस दौरान राज्य में विज्ञान एवं तकनीक आधारित तंत्र को मजबूत करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर चर्चा हुई। परिषद के महानिदेशक दुर्गेश पंत ने परिषद की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया।

बैठक में अल्मोड़ा के मानसखंड में स्थापित साइंस सेंटर, चंपावत विज्ञान केंद्र और जिला स्तर पर नवाचार केंद्रों की स्थापना पर भी विचार–विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से विज्ञान और तकनीक का अधिक प्रसार करने के निर्देश दिए। विद्यालयों में विज्ञान संवाद, पॉडकास्ट और साइंस पत्रिका जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि सभी ज़िलों में संचालित लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इसे विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में और विस्तारित किया जाए।

बैठकी होली वर्चुअल शुभारंभ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य सरकार लोककला, लोकभाषा और लोकसंस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों और महोत्सवों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जा रहा है, जिससे सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती मिल रही है और कलाकारों को पहचान मिल रही है।

चंपावत में कलश संगीत कला समिति द्वारा आयोजित खड़ी होली महोत्सव का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमाऊँ की खड़ी होली और बैठकी होली केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति, पारंपरिक संगीत और सामाजिक समरसता की अभिव्यक्ति हैं। इस अवसर पर उन्होंने कुमाऊँ की लोकसंस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

धर्मा गार्डियन

अल्मोड़ा के चौबट्टिया स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ–डिफेंस फोर्स के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्मा गार्डियन' का सातवां संस्करण शुरू हो गया है। यह अभ्यास 9 मार्च तक चलेगा।

इस अभ्यास में दोनों देशों से 120–120 सैनिक भाग ले रहे हैं। जापान की ओर से 32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिक और भारतीय सेना की ओर से लद्दाख स्काउट्स के जवान शामिल हैं।

अभ्यास का उद्देश्य अर्ध–शहरी वातावरण में संयुक्त अभियानों के लिए सैन्य सहयोग और समन्वय को बढ़ाना है। इस दौरान सैनिक संयुक्त योजना, सामरिक अभ्यास और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर प्रशिक्षण ले रहे हैं।

अभ्यास में अस्थायी परिचालन आधार की स्थापना, खुफिया और निगरानी तंत्र का विकास, मोबाइल चेक पोस्ट, घेराबंदी और तलाशी अभियान, हेलीकॉप्टर आधारित अभियान और हाउस इंटरवेंशन ड्रिल जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

यह अभ्यास बारी–बारी से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने का माध्यम है।

निर्णय

उत्तराखण्ड में भवन निर्माण नियमों में व्यापक संशोधन किया जाएगा। राज्य की बढ़ती भूकंपीय संवेदनशीलता और भारतीय मानक आईएसओ 1893–2025 के अनुसार पूरे राज्य के भूकंप जोन छह में शामिल होने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मौजूदा बिल्डिंग बायलॉज की समीक्षा और संशोधन के लिए 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता सीएसआईआर–सीबीआरआई रुड़की के

निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार करेंगे और यूएलएमएमसी देहरादून के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार संयोजक होंगे। वर्तमान बायलॉज पुराने आईएसओ 1893–2002 मानकों पर आधारित हैं।

समिति में सीबीआरआई, भारतीय मानक ब्यूरो, आईआईटी, ब्रिडकुल, लोक निर्माण, सिंचाई, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, विकास प्राधिकरणों और भू–वैज्ञानिक विशेषज्ञों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह समिति नियमों को वर्तमान भूकंपीय मानकों, जलवायु परिस्थितियों और आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करेगी।

संशोधित नियमों से भवन निर्माण को अधिक सुरक्षित, संरचनात्मक रूप से मजबूत और आपदा–रोधी बनाने पर जोर दिया जाएगा। रिपोर्ट राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आवास विभाग को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आवश्यक संशोधन और क्रियान्वयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

आपदा प्रबंधन

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन योजना और जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं के संशोधन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस संबंध में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन की अध्यक्षता में देहरादून में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि राज्य और जिला स्तर की योजनाओं का अद्यतन कार्य लगभग पूरा हो चुका है और इन्हें शीघ्र ही जारी किया जाएगा। सचिव ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, बदलते जलवायु परिदृश्य, नई तकनीकों और पूर्व आपदाओं से मिले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को समय–समय पर अपडेट करना आवश्यक है।

अद्यतन योजनाओं में जोखिम मूल्यांकन, संसाधन मैपिंग, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सामुदायिक सहभागिता और विभागीय समन्वय को और प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि आपदा के समय त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एसओपी

यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर घोड़े–खच्चरों के संचालन के लिए इस वर्ष मानक संचालन प्रक्रिया–एसओपी तैयार की जाएगी। जिला प्रशासन ने सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था और पशु क्रूरता की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है।

एसओपी के तहत शाम छह बजे के बाद पैदल मार्ग पर घोड़े–खच्चरों का संचालन नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जिला पंचायत और पशुपालन विभाग को संयुक्त रूप से एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत यात्रा मार्ग पर पशुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य जांच और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। अतिरिक्त बोझ डालने की स्थिति में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी एच.एस. बिष्ट ने बताया कि एक समय में अधिकतम 600 घोड़े–खच्चरों को ट्रैक पर जाने की अनुमति होगी। इनमें से 100 घोड़े–खच्चरों के जानकीचट्टी लौटने के बाद ही अन्य को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य पशुओं की सुरक्षा और यात्रा की सुचारु व्यवस्था बनाए रखना है।

मध्य कमान अलंकरण समारोह

क्लेमेंट टाउन, देहरादून में मध्य कमान अलंकरण समारोह 2026 का आयोजन सैन्य परंपराओं के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में भारतीय सेना के कर्मियों और यूनिटों को शौर्य, विशिष्ट सेवा और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ, मध्य कमान लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने की। इस अवसर पर कुल 26 वीरता और विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए गए। इनमें तीन युद्ध सेवा मेडल, 13 सेना मेडल (वीरता), चार सेना मेडल (विशिष्ट सेवा) और छह विशिष्ट सेवा मेडल शामिल हैं। इसके अलावा 28 यूनिटों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्य कमान यूनिट प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।